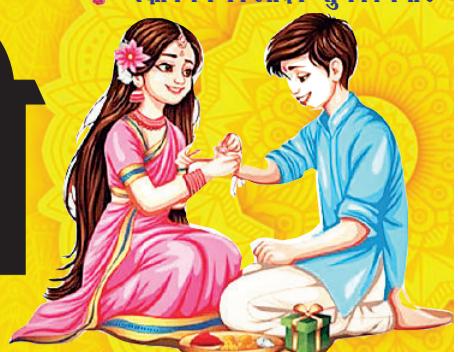


आजाद सिपाही

रांची 09 अगस्त, 2025, शनिवार, वर्ष 10, अंक 290, श्रावण, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, संवत् 2082, पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा



हेमंत सोरेन को
ऐसे ही धरती पुत्र
नहीं कहते

खेत में उतरे मुख्यमंत्री, बढ़ाया किसानों का मान



आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़/गोपा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का इन दिनों दूसरा ही रूप देखने का मिल रहा है। गुरुजी के निधन के बाद उनके श्राव एवं कर्म के लिए, वह पैतृक गांव नेमरा में हैं। 'बाबा' के जाने के दुख को कम करने के लिए हेमंत अपने को गांव के जीवन में ढाल कर लगातार खुद को व्यस्त रख रहे हैं। श्राव कर्म के रोजाना के कार्य करने के बाद के समय में गांव के लोगों से मिलना-जुलना और साथ ही वांग के जीवन को आनंदाज करने की कोशिश करते दिख रहे हैं। इसी क्रम में हेमंत शुक्रवार को खेत-खलिहान में उतरे। माटी से संसे पांच। कभी मेड़ पर चलते खेतों को देखा, तो कभी पानी भरे खेत में उतर गये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेतों की हरियाली किसानों की कड़ी मेहनत को दर्शाती है। जब फसलें लहलहायेंगी, तो यह उनके चेहरे की मुस्कान बनेगी।

बताते चले कि बारिश का

मौसम है और खेतों में धनरोपनी

हो रही है। मुख्यमंत्री सफेद धोती और चादर ओढ़े, हाथ में ढंडा लिये, गांव के खेतों और मेड़ पर कुछ ग्रामीणों के साथ चले। इसके बाद खेत में उतर कर धन रोप देखकर किसानों के चेहरे खिल उठे। उनकी खुशियां देखते ही बन रही थीं। इस दौरान मुख्यमंत्री

स्थानीय ग्रामीण महिलाओं से संवाद करते हुए खेती-किसानों

के ताजा हालात से रुबरू हुए।

मुख्यमंत्री को खेत में अपने बीच देखकर किसानों के चेहरे खिल उठे। उनकी खुशियां देखते ही बन रही थीं। इस दौरान मुख्यमंत्री

ने किसानों से सीधा संवाद किया

और उनकी परेशानियां तथा समस्याओं को जाना। उन्होंने कहा कि किसानों का कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

आपके लिए सरकार कई

कल्याणकारी योजनाएँ चला रही हैं। अप इन योजनाओं से जुड़े और अपने को सशक्त बनायें। मैं आपके लिए हमेशा खड़ा हूं। किसान खुशहाल होगा, तभी देश-राज्य और देश सक्षम बनेगा।

सिर्फ अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, बल्कि हमारी पहचान, अस्मिता, संस्कृति और परंपरा की भी वाहक है। किसान खुशहाल होगा, तभी देश-राज्य समृद्ध होगा। हमारी सरकार किसानों के लिए प्रतिबद्ध है।

- धनरोपनी का किया अवलोकन
- कहा, कृषि हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ के साथ-साथ हमारी अदिनाता, संस्कृति
- किसान खुशहाल होगा, तभी राज्य और देश सक्षम बनेगा

सिर्फ अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, बल्कि हमारी पहचान, अस्मिता, संस्कृति और परंपरा की भी वाहक है। किसान खुशहाल होगा, तभी देश-राज्य समृद्ध होगा। हमारी सरकार किसानों के लिए प्रतिबद्ध है।

धनबाद के नीरज सिंह हत्याकांड में पूर्व विधायक को राहत

संजीव सिंह को आठ साल बाद सुप्रीम कोर्ट से जमानत



● सिंह मैशन में जग्न
आतिशबाजी हुई,
लूं बांटे गये

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। इरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गयी है। वे धनबाद के पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह समेत चार लोगों की हत्या मामले में 2017 से जेल में बंद हैं। संजीव सिंह को निचली अवलोकन से जब जमानत नहीं मिली, तो उन्होंने झारखंड हाईकोर्ट का दरात्रा खटखटाया था। वहां से भी उन्हें राहत नहीं मिली थी। इसके बाद वे जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट गये थे। आखिरकार उन्हें वहां से राहत मिली।

23 मार्च 2017 को मामला हुआ था दर्ज: पूर्व विधायक संजीव सिंह 11 अप्रैल 2017 से जेल में बंद हैं। उन पर धनबाद के पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह सिंह की हत्या का आरोप है। इस कांड में नीरज सिंह सहित चार लोगों की गोली मार कर हत्या कर दी गयी थी। नीरज सिंह हत्याकांड मामले

में 23 मार्च 2017 को सरायदेला में नीरज के भाई अधिकारी किंगडम कोर्ट से जमानत की खबर मिलते ही पूरे कोयलांचल में उत्सव व उल्लास का माहील है। सिंह के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज हुई थी। इस कांड में पुलिस को संजीव सिंह की भूमिका घटवारकारी की मिली, जिसके बाद उन्हें गिरफतार किया गया था। वहां से भी उन्हें परिजनों व कार्यकर्ताओं को झरिया

फैसले से पूरे परिवार को नयी उम्मीद मिली

विधायक रागिनी सिंह ने मिडिया से बातचीत में कहा कि हमें व्यायालिक पर शुरू से ही भरोसा था। आज व्याय की जीत हुई है। सुप्रीम कोर्ट से संजीव सिंह को जमानत मिलना इस बात का प्रमाण है कि सच कभी दबाता नहीं। अब हमें विश्वास है कि संजीव सिंह सिंह ही बांधजात बरी भी होंगे। संजीव सिंह की मां कुंती देवी इस खबर को सुनकर भावुक हो गयी। उन्होंने नम आर्खों से कहा यह सच अब व्याय की जीत है। हमें देशी विश्वास था कि एक दिन सच्चाई समझे आयेंगे। मेरा बेटा निर्दोष है। उसे राजनीतिक साजिश के तहत फंसाया गया था। कोर्ट के फैसले से पूरे परिवार को नयी उम्मीद मिली है।

विधायक रागिनी सिंह ने खुद मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भावुक कर रही थी।

मिटाई गयी फैसले को लेकर भाव

दिशोम गुरु के सच्चे सिपाही हैं हेमंत सोरेन

- पैतृक गांव नेमरा में दिख रहा है मुख्यमंत्री का जमीनी रूप
- पुत्र धर्म का पालन करते हुए परंपराओं में डूबे नजर आते हैं

हेमंत सोरेन झारखण्ड के मुख्यमंत्री हैं। लोग उन्हें उसी नजर से देखते हैं। पूरे राज्य में मान-सम्मान, मेल-मुलाकात मुख्यमंत्री की तरह होती है। वहीं, राज्य में एक छोटा सा गांव ऐसा भी है, जहाँ हेमंत को मुख्यमंत्री के तौर पर नहीं, बेटा, भाई, दादा के तौर पर देखा जाता है। यह एहसास होता है हेमंत सोरेन के पैतृक गांव नेमरा पहुंचने पर। लोगों से बातचीत करने पर एहसास होता है कि यहाँ की मिट्ठी से किस तरह हेमंत सोरेन के दादा का लगाव था। किस तरह गुरुजी शिख सोरेन का जुड़ाव

था। हेमंत सोरेन भी नेमरा में मुख्यमंत्री नहीं, गांव का बेटा बने हुए दिखते हैं। नेमरा की मिट्ठी से पिता और दादा की तरह उनका भी लगाव दिखता है।

नीजितन यहाँ के लोग हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री नहीं, गांव का बेटा मानते हैं। इस बात को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दो

आजाद सिपाही विशेष

दिन पहले अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। इसका एहसास नेमरा पहुंच कर ही हो सकता है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इन दिनों नेमरा में हैं। वह गुरुजी के शाद कर्म गांव से ही संपन्न कर रहे हैं। गुरुवार की शाम कुछ समय के लिए 'आजाद सिपाही'

परिवार की ओर से प्रबंध निदेशक राहुल सिंह, राज्य समन्वय संपादक अजय शर्मा और छायाकार प्रदीप ठाकुर के साथ राजनीतिक संपादक प्रशंशात इन नेमरा गये थे। इस यात्रा का मक्कर गुरुजी को श्रद्धांजलि देना और मुख्यमंत्री से मिल कर सवेदना व्यक्त करना था। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात भी हुई। साथ ही गांव के लोगों से भी मिलने का मौका मिला। नेमरा यात्रा के दौरान जो एहसास हुआ, उसकी एक झलक प्रस्तुत कर रहे हैं राजनीतिक संपादक प्रशंशात इन।



प्रथांत झा

या फिर समाजवादी पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव, सभी का नेमरा आना-जाना लगा है। इसलिए गुरुजी के नाम की तरह नेमरा का नाम भी राष्ट्रीय स्तर पर चमकने लगा है।

नेमरा में पुत्र धर्म निभा रहे हेमंत

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इन दिनों नेमरा में हैं। वह पुत्र का पिता के प्रति जो धर्म होता है, उसे निभा रहे हैं। सफेद कपड़े में खुद को लोटे, चप्पल पहने, गांव के लोगों से घर-घर जा कर मिलना, उनके साथ उठना-बैठना चल रहा। हर दिन श्राद्ध कर्म से जुड़े अनुष्ठानों को पूजा करना, गांव और परिवार के बड़े-बुजुर्गों से विचार-विचार करना और उन्हीं के बीच पिता को खोने का दद्द छिपाते हुए गांव के छोटे-छोटे बच्चों को गोद में उठा कर हँस-बोल लेना। यह सब उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर दिख रहा। हर दिन सोशल मीडिया पर हेमंत कुछ न कुछ पोस्ट कर रहे, जिसमें पिता शिख सोरेन को मिस करने और शोकमन होने की झलक दिखती है। वहाँ पुत्र धर्म और गांव से लगाव दिखाई देता है। इन सब के बीच बच्चों के साथ समय बिताते हुए दुखु को कम करने और छिपाने का प्रयास भी ज़िलकत है। जब नेमरा गया, तो सोशल मीडिया के पोस्ट को वहाँ प्रत्यक्ष रूप से देखने को मिला।

मिट्ठी में महसूस होती है गुरुजी की मौजूदगी

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया पर झार-जंगल के बीच खड़े अपनी एक तस्वीर के साथ पोस्ट किया था।

उन्होंने लिखा, नेमरा की यह



बलिदान को संजोकर रखा है। नेमरा की इस क्रांतिकारी धूमि को शत-शत नमन करता हूँ। बार शहीद सोना सोबरन मांझी अमर हों! झारखण्ड राज्य निर्माता वीर दिशोम गुरु शिख सोरेन अमर हों! सचमुच नेमरा जाने पर यह एहसास होता है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुजी को इन्होंने कहा कि यह एहसास होता है। यहाँ के जंगलों, नालों-नदियों और पहाड़ों ने क्रांति की उस हर देने हैं। गुरुजी को श्रद्धांजलि देने हैं। गुरुजी को पैतृक आवास में एक और पारंपरिक आवास होता है।

उन्होंने लिखा, नेमरा की यह

क्रांतिकारी धूमि को याद में उनके घर तक गुरुजी की शहीदत के साथ उन्हें बड़ी तस्वीर के बीच खड़े होने का अद्यतना देते हुए पोस्टर लगाते हैं। यहाँ के जंगलों, नालों-नदियों के बीच खड़े होने की शहीदत है।

गुरुवार शाम हम नेमरा

गांव पहुंचे, तो मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हाथ में टॉर्च लिये गांव के

40-50 लोगों के साथ धूम रहे

थे। उनके पीछे सुरक्षा कर्मी और अधिकारी मौजूद थे। राज्य के बीच खड़े होने की शहीदत है। मुख्यमंत्री का व्यवहार भी ऐसा ही था। वह भी आते-

अन्य जगहों पर जहाँ किसी आम व्यक्ति को मुख्यमंत्री तक पहुंचना कठिन होता है, वहाँ गांव में सभी बेरोक-टोक उन तक तक पहुंच रहे हैं।

उनके साथ चलते हुए वह एहसास ही नहीं हो रहा था कि राज्य के मुख्यमंत्री धूम रहे हैं। अगर हेमंत सोरेन के सुरक्षा कर्मी और पुलिस के अधिकारी मौजूद होते हैं, तो उसे लगता कि उनके कोई समाज-नेता या सामाजिक कार्यकर्ता लोगों के साथ है। मुख्यमंत्री का व्यवहार भी ऐसा ही था। वह भी आते-

जाते लोगों से रुक कर एक-दो मिनट स्थानीय भाषा में तमाम सवालों के जवाब देता है। बहुत अधिक तो वाही गांव के एक व्यक्ति के घर के अंदर चले गये। वहाँ 10 कीब बिन्ट अंदर रहे, बात की। वापस अपने घर के पास पहुंचे, तो एक बच्चे को गोद में उठा कर हसने-बोलने लगे।

उनके साथ चलते हुए वह एहसास ही नहीं हो रहा था कि राज्य के मुख्यमंत्री धूम रहे हैं।

अगर हेमंत सोरेन के सुरक्षा कर्मी नहीं होते हैं, तो उसे लगता है कि वह एहसास ही नहीं होता है। संसद से सङ्कर तक इस राज्य के लिए हमेशा नहीं होता है। उन्होंने कभी जीवन की अपने व्यक्तिगत हिस्सों को तस्वीरी नहीं दी। संसद से सङ्कर तक इस राज्य के लिए संघर्ष करते हैं। अज झारखण्ड है, तो यह दिशोम गुरु की देन है। अब उनका साया हमारे ऊपर से उठ जाता है।

हालांकि वे हम सभी के लिए खड़ा रहे हैं। उन्होंने कभी जीवन की अपने व्यक्तिगत हिस्सों को तस्वीरी नहीं दी।

उन्होंने इस राज्य की खातिर मुझसे कई वचन लिये थे। मैं उनसे किये गांवों को पूरा करने का दर्शन कर रहा हूँ।

उनसे मुख्यमंत्री और गुरुजी

के बारे में पूछ गया, तो उन्होंने

स्थानीय भाषा में तमाम सवालों के जवाब दिये। बहुत अधिक तो वाही गांव के एक व्यक्ति के घर के अंदर चले गये। वहाँ 10 कीब बिन्ट अंदर रहे, बात की। वापस अपने घर के पास पहुंचे, तो एक बच्चे को गोद में उठा कर हसने-बोलने लगे।

गुरुजी उनके लिए भगवान से

कम नहीं थे। दूसरे हेमंत सोरेन ने गांव की लापता जीवन की जीवनीय भाषा में तमाम सवालों के जवाब दिये। बहुत अधिक तो वाही गांव की एक व्यक्ति के घर के अंदर चले गये। वहाँ 10 कीब बिन्ट अंदर रहे, बात की। वापस अपने घर के पास पहुंचे, तो एक बच्चे को गोद में उठा कर हसने-बोलने लगे।

गुरुजी उनके लिए भगवान से

हेमंत सोरेन।

नेमरा में बिताये कुछ पल

और लोगों से थोड़ा-बहुत

बातचीत ने दिखा दिया कि गुरुजी

की तरह हेमंत का भी अपने

पैतृक गांव से लगाव है।

वह आत्मा से गांव से जुड़े

है। राज्य के सर्वोच्च पद पर बैठे

होने के बाद भी पांच गांव की जीवनी पर

है। वह गांव की समस्या,

जीवनी की समस्या,

संपादकीय

अमेरिका को भारत का कड़ा संदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अमेरिकी टैरिफ पर पहली प्रतिक्रिया दी। उन्होंने अमेरिका वा डॉनल्ड ट्रंप का नाम लिये बैरे कहा कि किसीने, पशुपतिकों और मछुआरों के हितों के साथ भारत कभी समझौता नहीं करेगा। भारत ने इससे पहले ट्रंप के 50% टैरिफ को अनुचित, अन्यायपूर्ण और तर्कहीन बताया था।

डील की निराशा : ट्रंप बांटे रूस की कर रहे हैं, लेकिन समझौता नहीं है कि उनकी निराशा के मूल में भारत के साथ अटके ट्रेड डील भी हैं। वह चाहते हैं कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों और डेवरी प्रॉडक्ट्स के लिए अपना बाजार खोले। लेकिन कर लिए वह राजनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील मुद्दा है। देश की बढ़ी आवादी खेतों पर आविष्ट है और किसान अधिकारी रूप से संघर्ष नहीं है। सिर वे सब्सिडिज अमेरिकी प्रॉडक्ट्स से होड़ नहीं कर सकते। पीएम ने अपने भाषण के जरिये भारत का वही पक्ष रखा है।

हताशा में लिये फैसले : ट्रंप इस चिंता को शायद ही समझें, क्योंकि अब ऐसा लग रहा है कि अपनी हर कानाकी का टीकरा फैसले के लिए उन्हें कोई देश चाहिए। अमेरिका में बढ़ती

महंगाई और बेरोजगारी का दबाव व यूकेन युद्ध न रुकवा पाने की हताशा ट्रंप के फैसलों में झलक रही है। पहले उन्होंने चीन पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन जब चीन से रेयर अर्थ मिनरल्स' के रूप में ज़कर लगा,

ट्रंप इस चिंता को शायद ही समझें, क्योंकि अब ऐसा लग रहा है कि अपनी हर कानाकी का टीकरा फैसले के लिए उन्हें कोई देश चाहिए। अमेरिका ने बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी का दबाव व यूकेन युद्ध न लड़ा पाने की हताशा ट्रंप के फैसलों में झलक रही है।

तो भारत और रूस से अपनी बात मनवाना चाहते हैं। सच से दूर : ट्रंप का मानवा है कि रूस तेल बेच कर युद्ध लड़ने के लिए संसाधन जुटा रहा है। हालांकि उन्होंने इस सच से आखें मूँद ली है कि मांस्कों का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार चीन है और भारत के अलावा यूरोपीय यूनियन और वहां तक कि खुद अमेरिका भी रूस से व्यापार जारी रखे हुए हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस व्यापार का पूरा डेटा सामने रख कर अपने दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाव देने की ओर चाहिए।

नये समझौते के बारे में भारत : भारत अपनी जरूरत का 85% तेल आयात करता है। रूस से तेल खरीद घरेल ही नहीं, ग्लोबल ऑयल मार्केट को भी स्थिर रखता है। अमेरिका की पिछली बाइडेन सरकार ने भारत के रूस से तेल खरीदने की सराहना की थी क्योंकि उससे बाजार में स्थिरता बढ़ी रही। लेकिन, ट्रंप इन सारी बातों को दरकिनार कर रहे हैं। खैर, इसी महीने अमेरिकी टीम व्यापार बातों के लिए भारत आ रही है। आशा है कि दोनों देश कोई रस्ता निकालेंगे। लेकिन इसके साथ भारत को यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौता जल्द करना चाहिए और अन्य देशों के साथ भी ऐसी डील करनी चाहिए, ताकि देश का नियंत्रण लगातार बढ़ा रहे।

अभिमत आजाद सिपाही

आदिवासी समुदाय प्रकृति के साथ गहरा सामंजस्य रखते हैं, जो उनकी जीवन शैली, विश्वास और प्रथाओं में स्पष्ट रूप से जालकता है। उनकी पारंपरिक प्रथाएं, जैसे टिकाऊ खेती, जंगल प्रबंधन, और औषधीय पौधों का उपयोग, आधुनिक पर्यावरण की लिए उनकी जीवन शैली, विश्वास और प्रथाओं में स्पष्ट रूप से जालकता है। वह चाहते हैं कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों और डेवरी प्रॉडक्ट्स के लिए अपने भाषण के जरिये भारत का वही पक्ष रख रखा है।

आदिवासी समुदायों की समृद्धि सांस्कृतिक विवरण, उनके पर्यावरणीय योगदान और सांस्कृतिक विवरण, उनके साथ उनकी जीवन शैली, विश्वास और प्रथाओं में स्पष्ट रूप से जालकता है। वह चाहते हैं कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों और डेवरी प्रॉडक्ट्स के लिए अपने भाषण के जरिये भारत का वही पक्ष रख रखा है।

आदिवासी समुदायों की समृद्धि सांस्कृतिक विवरण, उनके पर्यावरणीय योगदान और सांस्कृतिक विवरण, उनके साथ उनकी जीवन शैली, विश्वास और प्रथाओं में स्पष्ट रूप से जालकता है। वह चाहते हैं कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों और डेवरी प्रॉडक्ट्स के लिए अपने भाषण के जरिये भारत का वही पक्ष रख रखा है।

विश्व आदिवासी दिवस एक वैश्विक मंच है



विजय शंकर नायक

विजय शंकर नायक, विश्व आदिवासी दिवस, जो हर साल 9 अगस्त को मनाया जाता है, न केवल एक उत्सव है, बल्कि आदिवासी समुदायों की समृद्धि सांस्कृतिक विवरण, उनके पर्यावरणीय योगदान और सांस्कृतिक विवरण, उनके साथ उनकी जीवन शैली, विश्वास और प्रथाओं में स्पष्ट रूप से जालकता है। वह चाहते हैं कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों और डेवरी प्रॉडक्ट्स से होड़ नहीं कर सकते। पीएम ने अपने भाषण के जरिये भारत का वही पक्ष रख रखा है।

हताशा में लिये फैसले : ट्रंप इस चिंता को शायद ही समझें, क्योंकि अब ऐसा लग रहा है कि अपनी हर कानाकी का टीकरा फैसले के लिए उन्हें कोई देश चाहिए। अमेरिका में बढ़ती

महंगाई और बेरोजगारी का दबाव व यूकेन युद्ध न रुक नहीं कर सकते।

आदिवासी प्रकृति के सच्चे संरक्षक : आदिवासी समुदाय प्रकृति के साथ गहरा सामंजस्य रखते हैं, जो उनकी जीवन शैली, विश्वास और प्रथाओं में स्पष्ट रूप से जालकता है। वह चाहते हैं कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों और डेवरी प्रॉडक्ट्स के लिए अपने भाषण के जरिये भारत का वही पक्ष रख रखा है।

आदिवासी समुदायों की समृद्धि सांस्कृतिक विवरण, उनके पर्यावरणीय योगदान और सांस्कृतिक विवरण, उनके साथ उनकी जीवन शैली, विश्वास और प्रथाओं में स्पष्ट रूप से जालकता है। वह चाहते हैं कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों और डेवरी प्रॉडक्ट्स के लिए अपने भाषण के जरिये भारत का वही पक्ष रख रखा है।

आदिवासी समुदायों की समृद्धि सांस्कृतिक विवरण, उनके पर्यावरणीय योगदान और सांस्कृतिक विवरण, उनके साथ उनकी जीवन शैली, विश्वास और प्रथाओं में स्पष्ट रूप से जालकता है। वह चाहते हैं कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों और डेवरी प्रॉडक्ट्स के लिए अपने भाषण के जरिये भारत का वही पक्ष रख रखा है।

आदिवासी समुदायों की समृद्धि सांस्कृतिक विवरण, उनके पर्यावरणीय योगदान और सांस्कृतिक विवरण, उनके साथ उनकी जीवन शैली, विश्वास और प्रथाओं में स्पष्ट रूप से जालकता है। वह चाहते हैं कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों और डेवरी प्रॉडक्ट्स के लिए अपने भाषण के जरिये भारत का वही पक्ष रख रखा है।

आदिवासी समुदायों की समृद्धि सांस्कृतिक विवरण, उनके पर्यावरणीय योगदान और सांस्कृतिक विवरण, उनके साथ उनकी जीवन शैली, विश्वास और प्रथाओं में स्पष्ट रूप से जालकता है। वह चाहते हैं कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों और डेवरी प्रॉडक्ट्स के लिए अपने भाषण के जरिये भारत का वही पक्ष रख रखा है।

आदिवासी समुदायों की समृद्धि सांस्कृतिक विवरण, उनके पर्यावरणीय योगदान और सांस्कृतिक विवरण, उनके साथ उनकी जीवन शैली, विश्वास और प्रथाओं में स्पष्ट रूप से जालकता है। वह चाहते हैं कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों और डेवरी प्रॉडक्ट्स के लिए अपने भाषण के जरिये भारत का वही पक्ष रख रखा है।

आदिवासी समुदायों की समृद्धि सांस्कृतिक विवरण, उनके पर्यावरणीय योगदान और सांस्कृतिक विवरण, उनके साथ उनकी जीवन शैली, विश्वास और प्रथाओं में स्पष्ट रूप से जालकता है। वह चाहते हैं कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों और डेवरी प्रॉडक्ट्स के लिए अपने भाषण के जरिये भारत का वही पक्ष रख रखा है।

आदिवासी समुदायों की समृद्धि सांस्कृतिक विवरण, उनके पर्यावरणीय योगदान और सांस्कृतिक विवरण, उनके साथ उनकी जीवन शैली, विश्वास और प्रथाओं में स्पष्ट रूप से जालकता है। वह चाहते हैं कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों और डेवरी प्रॉडक्ट्स के लिए अपने भाषण के जरिये भारत का वही पक्ष रख रखा है।

आदिवासी समुदायों की समृद्धि सांस्कृतिक विवरण, उनके पर्यावरणीय योगदान और सांस्कृतिक विवरण, उनके साथ उनकी जीवन शैली, विश्वास और प्रथाओं में स्पष्ट रूप से जालकता है। वह चाहते हैं कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों और डेवरी प्रॉडक्ट्स के लिए अपने भाषण के जरिये भारत का वही पक्ष रख रखा है।

आदिवासी समुदायों की समृद्धि सांस्कृतिक विवरण, उनके पर्यावरणीय योगदान और सांस्कृतिक विवरण, उनके साथ उनकी जीवन शैली, विश्वास और प्रथाओं में स्पष्ट रूप से जालकता है। वह चाहते हैं कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों और डेवरी प्रॉडक्ट्स के लिए अपने भाषण के जरिये भारत का वही पक्ष रख रखा है।

आदिवासी समुदायों की समृद्धि सांस्कृतिक विवरण, उनके पर्यावरणीय योगदान और सांस्कृतिक विवरण, उनके साथ उनकी जीवन शैली, विश्वास और प्रथाओं में स्पष्ट रूप से जालक

रांची-आसपास

सांप के काटने से बच्चे की हुई मौत

अनंगडा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के बाह्या गांव में शुक्रवार की सुबह जहरीले सांप के काटने से नो साल के बच्चे की मौत हो गयी। उसकी पहचान ज्ञानसन मुंदा के रूप में हुई है। वह बाह्या के सत प्रासिस स्कूल के कक्षा तीसरा का छात्र था। जानकारी प्रति के मुताबिक ज्ञानसन अपने पिता के बूर्ख मुंदा के साथ घर में जमीन पर सोया था। तड़के तीन बजे उसके बायां कान में जहरीले सांप ने काट लिया। उसके बाद तुरंत जानसन ने इसकी जानकारी पिता को दी। पर उसके अगले बगल की सांप नहीं दिखा। पिता के लगा किसी छोड़े ने काटा होगा। हालांकि कुछ देर होने के बाद जब बच्चे की तीव्रीय दिखाई लगी तो उसे इनाज के लिए राजस्व अस्पताल ले गये। पर वहाँ उसका इनाज नहीं हो पाया। बाद में पिता सदर अस्पताल ले जाने लगे पर बीच रसें में ही ज्ञानसन ने दम तोड़ दिया।

सड़क दुर्घटना में ट्रक चालक की मौत

नामकुम (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के व्यांगड़ी में गुरुवार की देर रात सड़क दुर्घटना में ट्रक मालिक सह चालक मलोज कुमार साह (38) की मौत हो गई। वह मूल रूप से बिले के भैंसपुर सिरकरहा का रहने वाला था। जानकारी के अनुसार वह आठा लाड ट्रक लेकर जा रहा था। इस दोशन व्यांगड़ी में ट्रक खड़ी कर दायर चौक कर रहा था। वहीं एक टर्णे ने ट्रक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे मौके पर उसकी मौत हो गई। टर्णों का आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इधर, घटना के बाद टर्णों के चालक फ़रार हो गया। पुलिस ने शेव का पोस्टर्मार्टम कर परिजनों को सौंप दिया है। वहीं नामकुम पुलिस दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर थाना ले आई है।

मारपीट में घायल वृद्ध की हुई मौत

नामकुम (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के गम्भूर गांव टोली में मध्यशी की रस्सी को लेकर हुए विवाद में दो लोगों के बीच मारपीट हो गयी थी। इसमें घायल एतावा मुंदा (60) नामक वृद्ध की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस मालौन में मृतक के बेटे ने विनोद ठोपो पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार विनोद के मवेशी को बांधने वाली रस्सी चोरी हो गई थी। उसके शक के आधार पर एतवा को कई बार टोका जब एतवा नहीं दिया तो गुस्से में विनोद को मवेशी हांकने वाले डंडे से सिर पर मार दिया, जिससे एतवा बोहोश हो गया। परिजन उसे इनाज के लिए रिस्म अस्पताल में कराया जाना जाना इलाज के दौरान शुक्रवार को उसकी मौत हो गई।

मैत्री फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

अनंगडा (आजाद सिपाही)। सिविल सोसायटी अनंगडा के तत्वाधान में शुक्रवार को लुप्तुंग खेल स्ट्रेडिम में मैत्री फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें सिविल सोसायटी के विटेज खिलाड़ियों सहित अन्य खेल प्रतियोगियों ने भाग लिया और शनिवार खेल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में मुख्य रूप से जलनायथ चौथी, आतिश महो, रोशनलाल मुंदा, रामसाय मुंदा, संजय नायक, शिवलाल महोत, रामनाथ महो, नरेश साहू, मलोज कुमार चौधरी, राजेंद्र मुंदा, डॉ दिनेश कुमार, संजय महोत, अगमलाल महोतो आदि ने भाग लिया।

महादानी मंदिर में 24 घंटे का अखंड हरि कीर्तन

बेड़ो (आजाद सिपाही)। महादानी मंदिर में सावन माह के अंतिम सावन पूर्णिमा के अवसर पर शुक्रवार को श्री महादानी सेवा सत्यंग समिति के तत्वाधान में 24 घंटे का अखंड हरिकीर्तन सह भव्य भंडारा का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ पुणारी नित्यानं धारक ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच वारी गणेश पूजन, पंचदेवता नवग्रह देवता, श्रेष्ठान, दस दिवाल, वास्तु पूजन, सर्वतो भूद मूल पूजन, सत्यनारायण पूजन के साथ किया। महादानी मंदिर के पुणीरी मेघनाथ गिरी ने बताया कि रात आठ बजे भगवान भोलेनाथ का भव्य शृंगार कर महाअरार की बाद भाग लगाया जाएगा। इसके बाद भंडारे का वितरण होगा। बताया कि अखंड हरिकीर्तन का समाप्ति के बाद विसर्जन किया जाएगा। अखंड हरिकीर्तन को सफल बनाने में महादानी सेवा सत्यंग समिति के संरक्षक महावीर गोप, अयक्ष हरकाला महो, उपाध्यक्ष राजू सिंह, जगदीश प्रसाद, सवित्र मेघनाथ गिरी, सुरेंद्र सिंह, ईश्वर बड़ाइक, भगत बड़ाइक, बाल खड़ी, सीताराम महोत, बजरंग गोप, महादेव टाना भगत, बागेंदर वर पंडा, विकास गोप, किशोर कुमार, कुलदीप गोप, धनंजय महोत आदि का सराहनीय योगदान रहा।

बेड़ो में रक्षाबंधन आज

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भार्ड बहन के अटूट रिश्ते का पर्यंत रक्षाबंधन शनिवार के मनाया जाएगा। सावन महीने की समाप्ति के अंतिम दिन बनें भाइयों की कलाई पर राखी या रक्षा सूत्र बांधकर उनसे आशीर्वाद लेंगी। उधर, चौक चौराहों एवं बाजारों में आकर्षक रसियों-मियों की दुकानें सजी हुई हैं। जहाँ राखी खरीदने के लिए दुकानों पर योगीयों-माहिनाओं की भूमि लगी हैं। इस बार रक्षाबंधन के त्योहार में रखी बांधने के शुभ मूर्तु को व्याप रखा जाता है।

11 को ख्रिजरी में निकलेगी हर घर तिरंगा यात्रा

नामकुम (आजाद सिपाही)। स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित होने वाले हर घर तिरंगा यात्रा की लेनदेन श्रावण ख्रिजरी मैडल की बैठक शुक्रवार को नामकुम सदाबहार चौक स्थित सांसद समाधान केंद्र कायाराय में हुई। जिसकी अध्यक्षता भारतीय ख्रिजरी मैडल अध्यक्ष अशोक मुंदा ने की। अपने संबोधन में किसान मोर्चा के प्रदर्शन प्रवक्ता मलोज कुमार सिंह ने कहा कि तिरंगा यात्रा देश को एक सूत्र में पिरोने और राष्ट्रवाद की भावना बढ़ाने के लिए है। उन्होंने नामकुम वासियों से तिरंगा यात्रा की शर्मिल होने का आद्वान किया। इस दौरान 11 अगस्त को नामकुम बाजार के काली नगर से नामकुम चौक तक तिरंगा यात्रा निकलने का निर्णय लिया गया। योके पर कार्यक्रम प्रभारी रामधीर चौधरी, आरती कुमार, प्रभुदयाल बड़ाइक, प्रमोद सिंह, रितेश उरंग, दिलीप साहू, प्रज्ञा भारती, रुपा चौहान, शिल्पी शलिनी, मीनू सिंह, सरोज राय, सोहाराई पाहन, कृष्णा कुमार और सुदीप खलखो आदि उपस्थित थे।

झारखंड अलग राज्य बनते ही निर्मल महतो के योगदान को भुला दिया गया: सुदेश महतो

कहा- हमें उनके आदर्श एवं सिद्धांत को अपने जीवन में आत्मसात करने की जरूरत



आजाद सिपाही संवाददाता

अनंगडा (आजाद सिपाही)। गोंदलीयोंखर चौक में शुक्रवार को शहीद निर्मल महतो का शाहाद दिवस मनाया गया। इसमें शामिल भारतीय आजादी, झारखंड कुमारी महासभा, कुरमी विकास मारचा सहित अन्य राजनीतिक एवं सामाजिक संगठन के लोगों ने शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर रखा।

रूप में पूर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश महतो

कहा कि निर्मल महतो ने झारखंड कुमार महतो के लिए अपना सर्वोच्च बलदान दिया। लेकिन झारखंड अलग बनने के बाद इनके योगदान को भुला दिया गया। हमें इनके आदर्श एवं सिद्धांत को अपने जीवन में आत्मसात करने की जरूरत है।

वर्हां, रोशनलाल मुंदा, रामसाय मुंदा, नीलकंठ चौधरी, आतिश महतो, जलनाथ चौधरी, जगन्नाथ महतो, वीरेंद्र भोक्ता, रामसाय महतो, राजेन्द्र मुंदा, राजू नायक, नरेश साहू, ज्येतिप निर्मला भगत, भारतीय के पूर्व विद्यालय राजेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र महतो, मनोज कुमार चौधरी, आजादी के प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत आदि उपरिक्षेत्र के लिए उपरिक्षेत्र के बाद इनके योगदान को भुला दिया गया। हमें इनके आदर्श एवं सिद्धांत को अपने जीवन में आत्मसात करने की जरूरत है।

उरांव, रोशनलाल मुंदा, रामसाय मुंदा, नीलकंठ चौधरी, आतिश महतो, जलनाथ चौधरी, जगन्नाथ महतो, वीरेंद्र भोक्ता, रामसाय महतो, राजेन्द्र मुंदा, राजू नायक, नरेश साहू, ज्येतिप निर्मला भगत, भारतीय के पूर्व विद्यालय राजेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र महतो, मनोज कुमार चौधरी, आजादी के प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत आदि उपरिक्षेत्र के बाद इनके योगदान को भुला दिया गया। हमें इनके आदर्श एवं सिद्धांत को अपने जीवन में आत्मसात करने की जरूरत है।

उरांव, रोशनलाल मुंदा, रामसाय मुंदा, नीलकंठ चौधरी, आतिश महतो, जलनाथ चौधरी, जगन्नाथ महतो, वीरेंद्र भोक्ता, रामसाय महतो, राजेन्द्र मुंदा, राजू नायक, नरेश साहू, ज्येतिप निर्मला भगत, भारतीय के पूर्व विद्यालय राजेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र महतो, मनोज कुमार चौधरी, आजादी के प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत आदि उपरिक्षेत्र के बाद इनके योगदान को भुला दिया गया। हमें इनके आदर्श एवं सिद्धांत को अपने जीवन में आत्मसात करने की जरूरत है।

उरांव, रोशनलाल मुंदा, रामसाय मुंदा, नीलकंठ चौधरी, आतिश महतो, जलनाथ चौधरी, जगन्नाथ महतो, वीरेंद्र भोक्ता, रामसाय महतो, राजेन्द्र मुंदा, राजू नायक, नरेश साहू, ज्येतिप निर्मला भगत, भारतीय के पूर्व विद्यालय राजेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र महतो, मनोज कुमार चौधरी, आजादी के प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत आदि उपरिक्षेत्र के बाद इनके योगदान को भुला दिया गया। हमें इनके आदर्श एवं सिद्धांत को अपने जीवन में आत्मसात करने की जरूरत है।

उरांव, रोशनलाल मुंदा, रामसाय मुंदा, नीलकंठ चौधरी, आतिश महतो, जलनाथ चौधरी, जगन्नाथ महतो,

प्रवर समिति की रिपोर्ट के बाद फैसला
आयकर विधेयक केंद्र सरकार
ने लोकसभा से वापस लिया



आजाद सिपाही संचादाता

नवी दिल्ली। केंद्र सरकार ने लोकसभा से आयकर विधेयक 2025 को वापस ले लिया है। विधेयक की जांच के लिए बनी प्रवर समिति की रिपोर्ट के बाद वह फैसला लिया गया। इस विधेयक को फरवरी में लोकसभा में पेश किया गया था। बताया जा रहा है कि नवी दिल्ली में लोकसभा में पेश किया गया था। इस विधेयक को फरवरी में पेश किया गया था। बताया जा रहा है कि नवी दिल्ली में लोकसभा में पेश किया गया था।

केंद्र सरकार ने आयकर विधेयक 2025 को 13 फरवरी 2025 को लोकसभा में पेश किया था। विधेयक की जांच के लिए भाजपा संसद बैठक यांत्रिक पांडा की अध्यक्षता में 31 सदस्यीय प्रवर समिति ने विधेयक की जांच की और 285 सुझाव दिये थे। समिति ने 21 जुलाई 2025 को अपनी रिपोर्ट लोकसभा में प्रस्तुत कर दी। केंद्र सरकार ने प्रवर समिति की लाभगत के सभी सिफारिशें सरकार द्वारा

भारतीय सेना और एयरफोर्स को 200 नये हल्के हेलिकॉप्टर मिलेंगे

सेना को 120 और 80 वायुसेना को मिलेंगे: पुराने घेतक-चीता हेलिकॉप्टर रिटायर होंगे

आजाद सिपाही संचादाता

नवी दिल्ली। इंडियन आर्मी और एयरफोर्स अपने पुराने घेतक और चीता हेलिकॉप्टरों को हटाकर कीव 200 नये हल्के हेलिकॉप्टर खरीदने की तैयारी कर रही है। इसके लिए रक्षा मंत्रालय ने रिवर्स फॉर इम्परियल जारी किया है। इन नये हेलिकॉप्टरों को रिकॉनेसेन्स और सर्विलांस हेलिकॉप्टर के तौर पर बांटा गया है। इनमें से 120 हेलिकॉप्टर भारतीय सेना और 80 हेलिकॉप्टर वायुसेना को दिये जायेंगे। ये हेलिकॉप्टर दिन और रात दोनों समय में काम कर सकेंगे।

रक्षा मंत्रालय को उद्देश्य तकनीकी जरूरतें तय करना, खरीद प्रक्रिया पर निर्धारण लेना और संभावित आपूर्तिकांतों की पहचान करना है। इसमें भारतीय कंपनियों को भी शामिल किया जायेगा, जो विदेशी कंपनियों के साथ रक्षा मामलों की स्थायी समिति की रिपोर्ट के साथ सँझेदारी करके हेलिकॉप्टर बना सकें।

इफेंस मिनिस्ट्री और भी हेलिकॉप्टर खरीदारों द्वारा इफेंस मिनिस्ट्री ने अन्य लोटोफर्म के साथ और भी यूटिलिटी हेलिकॉप्टर खरीदने की विधेयक का नया संस्करण उपलब्ध कराने के लिए आयकर विधेयक का नया संस्करण सोमवार को सदन में विचार के लिए पेश किया जायेगा।



नये हेलिकॉप्टरों का उपयोग कई कामों में किया जायेगा

दुश्मन की निगरानी और जानकारी जुटाना, कम संख्या में सैनिकों को भिस्त पर ले जाना, जरूरत पड़ने पर जल्दी प्रतिक्रिया देने वाली टीमों को ले जाना, जमीन पर लड़ाई में मदद देना, घायल सैनिकों को निकालना और सहात-बचाव कार्य और जरूरत पड़ने पर नागरिक प्रशसन की मदद करना आदि।

बनानी है।

संसद में पेश रक्षा मामलों की स्थायी समिति की रिपोर्ट के अनुसार, निम्न-स्तरीय रडार, हल्के लडाकू विमान, मल्टी-रोल हेलिकॉप्टर, और मिड-एयर रिफ्लेक्शनिंग एयरक्राप्ट भी खरीदे जायेंगे। इसके अलावा, मत्रिमंडल की सुरक्षा समिति ने हाल ही में

हिंदुस्तान एयरो-टेक्स लिमिटेड से 156 हल्के लडाकू हेलिकॉप्टर खरीदने की मंजूरी दी है, जिसकी कीमत 45,000 करोड़ रुपये से ज्यादा बतायी जा रही है। ये हेलिकॉप्टर भी सेना और वायुसेना में बाटे जायेंगे और चीन-पाकिस्तान सीमा पर तैनात होंगे। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक

यह कदम आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भी एक बड़ा प्रयास है। भारतीय वायुसेना देश में ही लडाकू विमान, ड्रांसपोर एयरक्राप्ट, हेलिकॉप्टर, ड्रेनर विमान, मिसाइल, ड्रोन और रडार बनाने पर जोर दे रही है, ताकि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल की जा सके।

पीएम ने की रूस के राष्ट्रपति से बात मोदी ने द्विपक्षीय सम्मेलन में भारत आने का दिया न्योता

आजाद सिपाही संचादाता

नवी दिल्ली। रूस से तेल खरीदने पर अमेरिका की ओर से लाये गये 50 फीसदी टैरिफ़ को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को फोन पर बात की। इस दौरान पुतिन ने पीएम मोदी को यूक्रेन युद्ध को लेकर जानकारी दी। पीएम मोदी ने संघर्ष के सांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत के रुख को दोहराया। दोनों नेताओं ने भारत-रूस सँझेदारी को मजबूत करने पर भी बात की। वर्ती पीएम मोदी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन को वार्षिक द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन में भारत आने का न्योता दिया। यह बातीयत इसलिए भी अहम है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड डोमार्स्को के दौरे पर हैं। उन्होंने गुरुवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से राष्ट्रपति पुतिन को इस वर्ष के अंत में भारत आने का निमंत्रण दिया था, जिसे पुतिन ने स्वीकार कर लिया।



राष्ट्रपति पुतिन की मेजबानी करने के लिए उत्सुक हूं।

मोंस्को के दौरे पर हैं डोमाल :

पीएम नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति के दौरे वार्षिक बातीयता एसे वर्क में दुई जब भारत के राष्ट्रपति डोमार्स्को के दौरे पर हैं।

उन्होंने गुरुवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से राष्ट्रपति पुतिन को इस वर्ष के अंत में भारत आने का निमंत्रण दिया था, जिसे पुतिन ने स्वीकार कर लिया।

ब्राजील के राष्ट्रपति ने किया था

फोन : इससे पहले गुरुवार को पीएम नरेंद्र मोदी को ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा का फोन आया था। कॉल के दौरान प्रधानमंत्री ने पिछले

महीने अपनी ब्राजील यात्रा का जिक्र किया था। तब दोनों नेताओं ने व्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, रक्षा, कृषि, स्वास्थ्य और लोगों के बीच संबंधों में सहयोग को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। मैं इस वर्ष के अंत में भारत में

ब्राजील के राष्ट्रपति ने किया था

फोन : इससे पहले गुरुवार को पीएम नरेंद्र मोदी को ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा का फोन आया था। कॉल के दौरान प्रधानमंत्री ने पिछले

महीने अपनी ब्राजील यात्रा का जिक्र किया था। तब दोनों नेताओं ने व्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, रक्षा, कृषि, स्वास्थ्य और लोगों के बीच संबंधों में सहयोग को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। मैं इस वर्ष के अंत में भारत में

ब्राजील के राष्ट्रपति ने किया था

फोन : इससे पहले गुरुवार को पीएम नरेंद्र मोदी को ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा का फोन आया था। कॉल के दौरान प्रधानमंत्री ने पिछले

महीने अपनी ब्राजील यात्रा का जिक्र किया था। तब दोनों नेताओं ने व्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, रक्षा, कृषि, स्वास्थ्य और लोगों के बीच संबंधों में सहयोग को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। मैं इस वर्ष के अंत में भारत में

ब्राजील के राष्ट्रपति ने किया था

फोन : इससे पहले गुरुवार को पीएम नरेंद्र मोदी को ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा का फोन आया था। कॉल के दौरान प्रधानमंत्री ने पिछले

महीने अपनी ब्राजील यात्रा का जिक्र किया था। तब दोनों नेताओं ने व्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, रक्षा, कृषि, स्वास्थ्य और लोगों के बीच संबंधों में सहयोग को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। मैं इस वर्ष के अंत में भारत में

ब्राजील के राष्ट्रपति ने किया था

फोन : इससे पहले गुरुवार को पीएम नरेंद्र मोदी को ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा का फोन आया था। कॉल के दौरान प्रधानमंत्री ने पिछले

महीने अपनी ब्राजील यात्रा का जिक्र किया था। तब दोनों नेताओं ने व्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, रक्षा, कृषि, स्वास्थ्य और लोगों के बीच संबंधों में सहयोग को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। मैं इस वर्ष के अंत में भारत में

ब्राजील के राष्ट्रपति ने किया था

फोन : इससे पहले गुरुवार को पीएम नरेंद्र मोदी को ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा का फोन आया था। कॉल के दौरान प्रधानमंत्री ने पिछले

महीने अपनी ब्राजील यात्रा का जिक्र किया था। तब दोनों नेताओं ने व्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, रक्षा, कृषि, स्वास्थ्य और लोगों के बीच संबंधों में सहयोग को मजबूत करने की प्रतिबद्धता